

महिलाओं को सशक्त बनाकर मुख्य धारा से जोड़ें- शिवांगी पांडेय

प्रधान प्रतिनिधि ने कहा, महिलाओं को दिया जा रहा योजनाओं का लाभ

लोकमित्र ब्लूग

मेजा (प्रयागराज)। विकास खण्ड मेजा के ग्राम पंचायत अमोरा के पंचायत भवन में शनिवार को महिला दिवस के अवसर पर बौतर आमंत्रित अतिथि सचिव सु श्री शिवांगी पांडेय ने कहा कि महिलाओं की भागीदारी से राष्ट्रिकास की गति में तेजी आना तय है पंचायत स्तर पर महिलाओं को सरकार योजनाओं का लाभ देकर उन्हें सशक्त बनाया जाया सरकार की भी यही मंशा है।

क्षेत्र के ग्राम अमोरा में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को सम्मोहित करते हुए शिवांगी पांडेय ने कहा कि हमारा इतिहास महिलाओं के शरणार्थी योजनाओं का लाभ देकर उन्हें सशक्त बनाया जाया सरकार की भी यही मंशा है।

संक्षिप्त

खबरें

हाइवे पर टहल रहे हिरण के बच्चे को ग्रामीणों ने पकड़कर बन कर्मियों को सौंपा

सिराथू (कौशाम्बी)। कोखराज थाना क्षेत्र के अन्दरांग गांव के पास नेशनल हाइवे के किनारे शनिवार की सुबह एक हिरण का बच्चा टहलता गिल, हिरण को हाइवे के किनारे भूमते देखकर वहां पर चाचा की दुकान चलाने वाले धनंजय उपाध्याय बुत रामकृष्ण उपाध्याय व पंचर की दुकान चलाने वाले सैयद अली पुरा भूमते शनिवार ने उस हिरण को पकड़कर हुए 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दिया। जिस पर मौके पर पहुंचकर डायल 112 के संपादितों ने बन विभाग के किसी सूचना दिया। सूचना मिलने पर बन विभाग से आए कर्मचारी सोनेलाल बाचक, रवि व नदीम ने हिरण को अपने कब्जे में लेकर बन विभाग ऑफिस डोमा के लिए रखना हो गए। इस संबंध में बन विभाग रेंजर निखिलेश कुमार चौरसिया से बात की गई तो उन्होंने बताया कि हिरण के मिलने सूचना मिलने पर कर्मचारियों को खेजकर हिरण को मंगाया गया है। उसके बाद इसके संबंध के लिए आगे की कार्रवाई कराई जाएगी।

न्याय के लिए दोनों डिप्टी सीएम सहित अधिकारियों के चक्कर लगा रहा बुजर्ग

सिराथू (कौशाम्बी)। सिराथू तहसील के एक गांव का रहने वाला एक बुजर्ग न्याय के लिए सूची की सीएम सहित पुलिस अधिकारियों के दफतर के चक्कर करा रहा है, बुजर्ग का आरोप है कि उसके पड़ोसी ऊंचे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं कोखराज थाना के शहजातपुर निवासी ब्रह्मपुर नुत्र स्व द्रुपदाम ने शनिवार को सिराथू को शिकायती पत्र देकर बताया कि शुक्रवार को वह अपने खेत से आलू की खोदाई करवा रहा था, इस दौरान पड़ोस का एक व्यक्ति आया और गाली गलौंच देते हुए जान से मारने की नियत से दौड़ा लिया किसी तरह जान बचाकर स्थानीय पुलिस चोकी गया लेकिन वहां कोई सुनवाई नहीं हुई, पीढ़ी ब्रह्मपुर का आरोप है कि पहले भी वह सूचे के दोनों डिप्टी सीएम अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई थी लेकिन कांडे सुनवाई नहीं हुई। पीढ़ी जो शिकायत पर सीओ सिराथू ने प्रकरण की जांच कर कार्रवाई की आदेश दिए हैं।

आईटीआई में अप्रैटिस रोजगार नेला कल

सिराथू (कौशाम्बी)। प्रशिक्षित बोरोजारों को रोजगार देने के लिए सोमवार को आईटीआई सिराथू में अप्रैटिस रोजगार मेने का आयोजन किया जाएगा। आईटीआई सिराथू के प्रधानाचार्य के के राम ने बताया कि अप्रैटिस रोजगार मेने में जनपद के अधिकारियों सरकारी निजी अधिकारी अप्रैटिसिप उपलब्ध कराने हेतु उपस्थित रहेंगे। अतः जनपद के राजकीय निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके प्रशिक्षकारी अधिकर देंगे।

सैनी थाना में सीओ व तहसीलदार ने सुनी परियादियों की समस्याएं

सिराथू (कौशाम्बी)। सैनी कोतवाली में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया है। जिसमें क्षेत्राधिकारी सिराथू अवधेश कुमार विश्वकर्मा एवं तहसीलदार अनंत राम अवधेश के नेतृत्व में पुलिस से संबंधित शिकायत पत्र प्राप्त हुए, जिसमें संबंधित अधिकारी व कर्मचारी को निस्तारण के लिए निर्देशित किया गया है। इस मौके पर राजस्व से संबंधित लेखापाल राजस्व निरीक्षक मौजूद रहेंगे। सैनी कोतवाली में शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में क्षेत्राधिकारी सिराथू अवधेश कुमार विश्वकर्मा एवं तहसीलदार अनंत राम अवधेश के नेतृत्व में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया है, जिसमें पुलिस विभाग से संबंधित कुल दो शिकायती पत्र प्राप्त हुए हैं, जिसमें संबंधित अधिकारी व कर्मचारी को निस्तारण के लिए जारी किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अधिकारी अवधिकर द्वारा निरीक्षक घोषित किया है।

बाइक सवार ट्रक की चाली लेकर फ्यार, हाइवे पर लगा जान



अजुहा, (कौशाम्बी)। सैनी कोतवाली के अजुहा कर्म्मे में एक बाइक सवार व ट्रक चालक के बीच किनी बात को लेकर बहस हो गई जिसके बाद बाइक सवार नेशनल हाइवे पर खड़े ट्रक की चाली लेकर पार हो गया जिससे हाइवे पर दोनों ओर जान लगा गया जिसके लेकर लोगों के बीच चर्चा का विवाय बना रहा। बात जारी है कि कोतवाली क्षेत्र के अजुहा कर्म्मे में एक ट्रक चालक से बाइक सवार की किसी बात को लेकर बहस हो गई, जिसके बाइक ट्रक जैसे ही अजुहा कर्म्मे के भोला चौराहे के नजदीक नेशनल हाइवे पर पहुंची तभी बाइक सवार खड़ी कर ट्रक चालक को गाली गलौंच करते हुए ट्रक की चाली निकालकर पार हो गया। इस बीच हाइवे पर वहाँों का लंबा जाम लग गया, सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस जाम को हटवाकर करवाया गया। इस दौरान कोतवाली प्रधानी निरीक्षक बुजेश कुमार अवधेश करवाया सहित राजस्व निरीक्षक मेवालाल मौर्य, प्रदीप सिंह पटेल व लेखापाल जीतलाल, बहाज खान एवं थाना स्टॉफ मौजूद रहे।

मदर टेरेसा की भूमिका धारण कर सेवा करने का दिया सदैया



कौशाम्बी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्राथमिक विद्यालय भगवानपुर में शनिवार को स्कूल की छात्राओं ने पहले कबड्डी में बेकर पड़ी वस्तुओं से पायदान झूमर आदि बनाना सीखा। उसके उपरांत कक्षा तीन की छात्रा ममता ने नारी सशक्तिकरण के रूप में मारी जाने वाली मदर टेरेसा की वेशभूषा धारण कर प्रस्तुतिकरण करते हुए समाज में लोगों के प्रति सेवाभाव करने का सदैया दिया। जिससे लोगों के अंदर एक समानता की झालक ढिलाई के स्वार्थ के मरीजों को सेवा अच्छे ढांग व बर्ताव के साथ करती थी। हम सबको अदर्श बनाने के सुराम में जुट गई है।

मदर टेरेसा की भूमिका धारण कर सेवा करने का दिया सदैया



संक्षिप्त

खबरें

नारी सुरक्षा, नारी स्वावलम्बन एवं आत्मसुरक्षा के लिए सरकार कृत संकल्प- जिला पंचायत अध्यक्षा

● अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को किया गया सम्मानित

लोकमित्र व्यूगे

कौशाम्बी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जनपद के जिला पंचायत अध्यक्षा कल्पना सोनेकर ने डायट मैदान परिसर में मां संसरकारी के चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्ञालन कर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कल्पना सोनेकर ने डायट परिसर में उपस्थित महिलाओं एवं छात्राओं को सम्मानित किया।



है, जिसके माध्यम से महिलायें आत्म निर्भय एवं स्वावलम्बी बन रही हैं। अध्यक्षा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने महिलाओं की समस्याओं के उत्तराधार के लिए केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के लिए केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार वकास के लिए केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार वकास के लिए सूचना देते हुए जारी किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जनपद के जिला पंचायत अध्यक्षा कल्पना सोनेकर ने डायट मैदान परिसर में मां संसरकारी के चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्ञालन कर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कल्पना सोनेकर ने डायट परिसर में उपस्थित महिलाओं एवं छात्राओं को सम्मानित किया।

(कोविड) के अन्तर्गत लैपटप हेतु अविक्रिया, खुशी विप्राणी, नैसी, लक्ष्मी मिश्रा का लैपटप एवं शारीर अनुदान हेतु खुशी यांगड़ी को एक लैपटप हेतु अप्रत्यक्ष अधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं का समाप्ति होती है। इस अवसर पर जनपद के जिला पंचायत अध्यक्षा कल्पना सोनेकर ने डायट मैदान परिसर में मां संसरकारी के चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्ञालन कर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का शुभारंभ किया। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जनपद के जिला पंचायत अध्यक्षा कल्पना सोनेकर ने डायट मैदान परिसर में मां संसरकारी के चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्ञालन कर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का शुभारंभ किया।

करते हुए कहा कि महिलायें किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं, हर क्षेत्र में महिलायें अग्रसर हैं। कहा कि सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं का समाप्ति होती है। इस अवसर पर जनपद के जिला पंचायत अध्यक्षा कल्पना सोनेकर ने डायट मैदान परिसर में मां संसरकारी के चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्ञालन कर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का शुभारंभ किया।

इसी तरह से इंटरराष्ट्रीट एवं डायट मैदान परिसर में 14 हाईस्कूल में 10 में सभी छात्राओं को सम्मानित किया गया। डायट मैदान परिसर में प्रत्येक छात्रों में उत्कृष्ट कार्यकर्ता करने के लिए एक लैपटप देकर सम्मानित किया गया। इसी तरह से इंटरराष्ट्रीट में 14

कार्यक्रम के अन्तर्गत लैपटप हेतु अविक्रिया, खुशी विप्राणी, नैसी, लक्ष्मी मिश्रा का लैपटप एवं शारीर अनुदान हेतु खुशी यांगड़ी को एक लैपटप हेतु अप्रत्यक्ष अधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं का समाप्ति होती है। इस अवसर पर जनपद के जिला पंचायत अध्यक्षा कल्पना सोनेकर ने डायट मैदान परिसर में मां संसरकारी के चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्ञालन कर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का शुभारंभ किया। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर

सम्पादकीय

सम्पादकीय

नई शिक्षा नीति संबंधी विवाद

कुछ ही समय पहले कर्नाटक में एक पुस्तक मेले के दौरान तमिल किताबों की बिक्री को लेकर विरोध जताया गया था। उधर हाल ही में एक बस में कन्नड़ और मराठी बोलने को लेकर हिंसा तक हुई। इन सबके सबक क्या हैं? प्रादेशिक स्वायतता की उपेक्षा संबंधी दक्षिणी राज्यों की कई शिकायतों में दम है, मगर जिस तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन इससे जुड़े सवालों को लेकर माहौल गरमा रहे हैं, उससे उनके इरादे पर शक होना लाजिमी है। स्टालिन लोकसभा सीटों के संभावित परिसीमन से जुड़ी आशंकाओं, नई शिक्षा नीति संबंधी विवाद, और हिंदी थोपने की कथित शिकायत को रोजाना के स्तर पर उठा रहे हैं। इस क्रम में वे अपने राज्य के लोगों को तुरंत अधिक बच्चे पैदा करने की प्रतिगामी सलाह देने की हृद तक चले गए हैं। जाहिरा तौर पर केंद्र की कई नीतियों से गहराई शिकायतों में स्टालिन ने अपनी पार्टी डीएमके के लिए अवसर देखा है। संकेत साफ हैं कि साल भर बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में वे इन्हीं भावनात्मक मुद्दों को लेकर अभियान चलाएंगे। इस क्रम में खासकर भाषा विवाद में निहित खतरों की वे पूरी उपेक्षा कर रहे हैं। उनका अभियान हिंदी के खिलाफ है—जिसमें उन्होंने हिंदी बोलियों को खा गई जैसा तथ्यहीन दावा भी किया है। (छ्द्र ह्याहुड्यद्वृष्टु) बहरहाल, ऐसे मुद्दे कैसे हालात पैदा कर रहे हैं, इस पर भी उन्हें जरूर ध्यान देना चाहिए। कुछ ही समय पहले कर्नाटक में एक पुस्तक मेले के दौरान तमिल किताबों की बिक्री को लेकर विरोध जताया गया था। उधर हाल ही में एक बस में कन्नड़ और मराठी बोलने को लेकर हिंसा तक हुई। सबक क्या है? स्पष्टतः यही कि पहचान एवं भावनाओं की राजनीति ने देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे मसलों को लेकर भड़काऊ माहौल बना रखा है। इसकी बड़ी जिम्मेदारी राजनेताओं और राजनीतिक दलों पर जाती है, जिन्हें ऐसे मुद्दों में बोट पाने का आसान रास्ता दिखता है। चूंकि आर्थिक और विकास नीतियों के मामलों में तमाम दलों ने समान रास्ता चुना हुआ है, वैसे में अपनी अलग प्रासंगिकता दिखाने का उन्हें यही सरल उपाय नजर आता है। लेकिन जन हित और राष्ट्र के व्यापक हित के नजरिए से यह खतरनाक खेल है। यह अवश्य रेखांकित किया जाना चाहिए कि अगर धार्मिक विभाजन की राजनीति देश के लिए जोखिम भरी है, तो भाषा या जाति के आधार पर चुनावी गोलबंदी कम खतरनाक नहीं है।



आम प्रभा

'क्यों कहती है दुनिया कि नारी कमज़ोर है, जब दुनिया के हाथ में नारी की डोर है' हर साल के तरह आज यानि 8 मार्च %एक्सेलरेट एकशन थीम% के साथ अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान और प्रशंसा को दर्शाता है। इस दिन को महिलाओं के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों के उत्पव के तौर पर मनाया जाता है। इस अवसर पर दुनिया भर में महिला सशक्तिकरण के उपाय तथा द्वृतायितें की चर्चा होती है। ज्यादातर देश आज महिला-पुरुष समानता और नारी सशक्तिकरण को विकास और साथ ही साथ परिवारों, समुदायों और राष्ट्रों के कल्याण के लिए अनिवार्य मानते हैं। कोई भी राष्ट्र, समाज और परिवार समुद्ध और खुशहाल नहीं हो सकता, यदि उसकी आबादी का 50 प्रतिशत यानि महिलाएँ एवं लड़कियाँ सम्मान, आजादी और खुशी से बचते हैं। केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के ज्यादातर देशों की महिलाएँ भेदभाव का शिकार होती आयी हैं, सभी स्तरों पर निर्णय लेने की प्रक्रिया से बाहर रखी जाती रही है। इसका कारण पितृसत्ता का प्रचलन है, यह एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था है, जिसमें पुरुषों को महिलाओं से श्रेष्ठ समझा जाता है, जहाँ संसाधनों पर निर्णय लेने की प्रक्रिया पर और विचारधारा पर पुरुषों का नियंत्रण होता है। पितृसत्ता में महिलाओं पर हिंसा, पितृसत्तात्मक व्यवस्था का अंग होती है। इस व्यवस्था में महिलाओं को हिंसा या हिंसा की धमकी के माध्यम से नियंत्रित किया जाता है और महिलाएँ सामाजिक और मानव विकास के समस्त सूचकों में पुरुषों से पछड़ जाती हैं। भारत में इस पिछड़ेपन को हर जगह देख सकते हैं। भारत का लैंगिक अनुपात विश्व के अन्य देशों के तुलना में कम है। महिलाओं के लिए जीवन प्रत्याशा पुरुषों से कम है, महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और शैक्षणिक स्तर पुरुषों की तुलना में बहुमत कम है। महिलाएँ अल्प कौशल और कम पारिश्रमिक वाली नौकरियों तक सीमित रहती हैं, उन्हें पुरुषों के तुलना में पारिश्रमिक और वेतन कम मिलते हैं। राजनीतिक व सामाजिक निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी कम है। संसद में महिलाओं की भागीदारी कभी 10 प्रतिशत से ज्यादा नहीं रही। उनके जीवन को प्रभावित करने वाले सामाजिक, आर्थिक कानूनी, राजनीतिक नियमों के निरुपण में उनकी राय नहीं ली जाती और उन्हें अधीन रखा जाता है। अन्तोगत्वा इसी व्यवस्था के चलते भारत के अधिकांश हिस्सों में लड़कियाँ असुविधाओं, बोझ और भयभीत होकर जीवन बिताती हैं। भय उनके जीवन के आरम्भ से अन्त तक मौजूद होता है। भरण हत्या का डर पैदा होने पर विष दिये जाने का डर, भपूर घ्यार, देखभाल, पोषण, चिकित्सा सुविधाएँ शिक्षा न मिलने का डर। हमारी बेटियाँ छेड़खड़ से लेकर दुर्घट जैसे यौन उत्पीड़न के भय के साथ जीती हैं। यद्यपि विगत वर्षों में महिला आन्दोलनों और संस्कारों सरकारी कार्यालयों तथा सामाजिक संगठनों के प्रयासों से उपजे दबाव के परिणामस्वरूप महिलाओं के जीवन में वास्तव में कुछ सकारात्मक बदलाव हुआ है। महिलाओं का सशक्तिकरण बहुआयामी और सम्पूर्ण होना चाहिए। इस प्रक्रिया में कुछ महत्वपूर्ण पक्षों को शामिल किया जा सकता है। महिलाओं के योगदान को समाज को समझाने की जरूरत है कि वह बच्चों की जन्म देने और घर गृहस्थी सम्भालने के साथ-साथ किसान, श्रमिक, कारिगर, व्यवसायी आदि भी हैं, वे सदैव उत्पादन में लगी रहती हैं और जीड़ीपी में उनका योगदान हमेशा ज्यादा रहा है। अनुसार आगे म कार्य की जीड़ीपी में तो भारत की जीड़ीपी की वृद्धि हो जायेगी। क्षेत्रों में महिलाओं जैसे कृषि, हस्तशिक्षण जानकारी वृद्धि करना। आत्मसम्मान 3 प्रदान करने वातावरण तैयार करने अपने जीवन के बासनों तक प्रभावित और अ आमदनी पर नियम सहायता करना। उ आवश्यकता है, कौशलों और ज्ञान प्राप्त करने में स महिलाओं को ईमानदारी, सच्चाई के बीच एकजुटता वाले मूल्यों को प्र करे।

मेरा महिलाओं के सश मानवीय मूल्यों क होना चाहिए। केव और समानता न्याय महिलाओं का स तभी त्वरित गति सकेगा, जब पुरु समझेंगे कि यह उ होगा और यह पर लिए भी अच्छा हो महिलाओं के वैधानिक, आर्थिक लगातार कर रह तलाक से सम्बन्धित विवाह अधिनियम, 201 बच्चों का संर अधिनियम, 2 योजना, लिंग आ

रहा है। हालिया रिपोर्ट के सार अगर महिलाओं के घेरलू की जीड़ीपी में जोड़ दिया जायेगा तार की जीड़ीपी में 27 प्रतिशत वृद्धि हो जायेगी। पहले से ही जिन में महिलाओं का योगदान रहा कृषि, हस्तशिल्प आदि में उनकी जानकारी और कौशल की बढ़ करना। महिलाओं को मसम्मान और आत्मविश्वास न करने वाला सामाजिक वरण तैयार करना। महिलाओं को ने जीवन के बारे में निर्णय लेने में बनना। महिलाओं के उत्पादन साधनों तक पहुँच और नियंत्रण ति और अन्य सांसाधनों तथा उदानी पर नियंत्रण प्राप्त करने में यता करना। उन्हें ऐसी शिक्षा की प्रश्नकृता है, जो न केवल नये लों और ज्ञान को तलाशने और करने में सहायता करे, बल्कि लाओं को न्याय, समानता, नदारी, सच्चाई और शोषित वर्गों द्वारा एकजुटता जैसे सशक्त बनाने मूल्यों को प्राप्त करने में भी मदद

मेरा मानना है कि लाओं के सशक्तिकरण के साथ वीय मूल्यों का सशक्तिकरण भी चाहिए। केवल तभी हमारे चारों समानता न्याय और शान्ति होगी। लाओं का सशक्तिकरण केवल त्वरित गति से सम्भव होगा, जब पुरुष इस बात को बताएं कि यह उनके लिए भी अच्छा और यह परिवारों और राष्ट्रों के भी अच्छा होगा। भारत सरकार ने लाओं के सशक्तिकरण हेतु निक, अर्थिक, सामाजिक उपयोग तार कर रही है जिसमें तीन क से सम्बद्धित मुस्लिम महिला वाह अधिकार संरक्षण) नियम, 2019, यौन अपराधों से वों का संरक्षण (संशोधन) नियम, 2019, उज्जवला ना, लिंग आधारित बजट और गत वर्ष संसद से पारित नारी वंदन अधिनियम, 2023 मील पथर साबित हो रहा है। बचाओ, बेटी पढ़ाओ लैं सशक्तिकरण की दिशा में प्रशंसनीय कदम रहा। यह ते भेदभाव से निपटने और बालिके के महत्व को बढ़ावा देने के महत्वपूर्ण जन आन्दोलन उत्पन्न है। पिछले कुछ वर्षों में, जन समय लिंगानुपात में 19 अंक वृद्धि के साथ 918 (2014-15) से 937 (2020-21) तक सराहनीय सुधार हुआ है। अतिरिक्त, माध्यमिक शिक्षा लड़कियों का नामांकन 2014-15 से 75.51 प्रतिशत से बढ़कर 2020-21 में 79.46 प्रतिशत हो महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है। भारत ही नहीं बल्कि दुनिया में बढ़ परिवेश में महिलाएँ जिस तरह आगे बढ़ रही हैं, प्रगति की अग्रसर हो रही है समाज के लिए एवं सराहना की बात है। राजनीति, विज्ञान, तकनीक, संस्कृति एवं वित्त कोई भी क्षेत्र देखें तो जहाँ-जहाँ महिलाओं ने अजमाया उन्हें कामयात्री ही अब ऐसी कोई जगह नहीं है महिलाएँ अपना परचम नहीं लहरा सकती हैं। पहले भी ऐसा नहीं था महिलाओं की समाज में भाग नहीं थी, उनकी भागीदारी पहले परन्तु समाज उनके योगदान को मान्यता नहीं देता था। लोकतंत्र सामाजिक जागरूकता के कारण सम्भव हो पाया कि महिलाएँ अधिकारों के लिए संघर्ष कर आज अधिकांश लोकतांत्रिक की महिलाओं को समाज में बढ़ावा का दर्जा मिला हुआ है। ते समानता निःसंदेह लोकतंत्र आधारशिला है। जिन सम्प्रदायों विकास लक्ष्य को हासिल करने के लिए दुनिया आगे बढ़ रही है, महिला सशक्तिकरण और ते

समानता पर विशेष फोकस है। महिलाओं का भारत के प्रत्येक क्षेत्र राजनीति, कारोबार, कला और नौकरियों में योगदान बढ़ रहा है साथ में इस पक्ष को बेहतर बनाने की कोशिशें जाती हैं और इस राह में अभी लम्बा सफर तय करना होगा। विश्व आर्थिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2023 में कहा गया कि महिलाओं और पुरुषों में लैंगिक समानता लाने में 131 साल का समय लगेगा। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि महिलाओं की मौजूदा समय में राजनीतिक, आर्थिक, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिति में जो असमानता व्याप्त है उसे समाप्त करने के लिए विश्व स्तर पर सदी का इंतजार करना पड़ सकता है। भारत के सन्दर्भ में देखें तो एक समय में महिलाओं के अनेक मुद्दे होते हैं, इन सभी मुद्दों पर चर्चा करना और फिर उसके बाद उसे भूल जाने के चलन में समस्याओं के समाधान में रोड़ा बनता रहा है। इसके जगह एक बार में एक मुद्दा पर फोकस करें जो सबसे सामयिक एवं प्रासारिक हो और वर्षभर संकल्पित होकर उसका समाधान करें और अगले वर्ष यह आंकलन करें कि इस मुद्दे का समाधान हमने कर लिया या कुछ करना शेष है और फिर आगे बढ़े तो ज्यादा बेहतर होगा।

पिछले वर्ष जो कोलकाता रेप-मर्डर केस घटनाक्रम चला है उसके लिए मेरा सुझाव है हम इस वर्ष को महिला सुरक्षा को समर्पित करें। जब मैं भारत की महिलाओं पर दृष्टिपात रखती हूँ तो एक बड़ा असनुलित चित्र सामने आता है एक तरह हम कहते हैं कि महिलाएँ हमारे यहाँ राष्ट्रपति पद पर आसीन हुईं, महिला 16 वर्षों तक प्रधानमंत्री रही थी, अध्यक्षीय पीठ पर भी महिला शोभमान रही है। हमारी कल्पना चावला और सुनीता विलयम्स ने वर्जनाओं को भेदकर अन्तरिक्ष में उड़ान भरी है। संतोष यादव एवं शारीरिक अपंगता को चुनौती देते हुए अरुणिमा सिंह जैसे महिलाओं ने बार-बार हिमालय को नापा है। ये भारत का वह पक्ष है जो हमें गैरवान्वित करता है, ये जो चित्र हो जो भारत की प्रतिष्ठा दुनिया में बढ़ाता है लेकिन दूसरा पक्ष भी है। महिला न जन्म के पहले सुरक्षित है और जन्म के बाद सुरक्षित है, माता के गर्भ में मार दी जाती है और जन्म के बाद तो न दो वर्ष की बच्ची सुरक्षित है न 60 वर्ष की बुद्धा सुरक्षित है मेरा मानना है कि यह स्थिति केवल दो चीजों से बदल सकती है समाज की सोच से और व्यवस्था की खोफ से। यह अत्यन्त दुखद है कि समाज की सोच हमेशा से विकृत रही है हालांकि अच्छे बुरे लोग कम या ज्यादा समाज में हमेशा रहे, लेकिन अगर व्यवस्था अपना खौफ बनाये रखे तो बुराई ढकी रहती है बुरे लोग डरते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस हमारे लिए तब सार्थक होगा जब हम सब महिलाओं के उत्तरि एवं सुरक्षा का संकल्प करें।

यह संकल्प अपने स्तर पर भी करना होगा हमारी राज्य सरकारें भी करें, हमारी केन्द्र सरकार भी करें, हमारी विभिन्न संस्थायें भी करें हमारे समाज का हर व्यक्ति यदि आज अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस यह संकल्प करें कि हम अपने समाज के महिलाओं को और सुरक्षित रखेंगे उनके मन में कभी भी असुरक्षा का भाव पैदा नहीं होने देंगे तो मुझे लगता है कि ये अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस वास्तव में सार्थक हो जायेगा और पहले के तरह एक रश्म अदायगी भर नहीं रहेगा और इस तरह से भेदभाव रहित शान्त, सौहार्द, समरसता से परिपूर्ण सुन्दर समाज का निर्माण कर सकेंगे। अनंत नारी की व्यथा को लिखा पढ़ा हम सबने हैं, अब नारी के पीड़िओं को जीनी की बारी है।

Digitized by srujanika@gmail.com



मारित में नारी का सम्मान आर उनका अग्रणी भूमिका
वी नारी संदैव से सम्मानीय स्थिति का भी अध्ययन किया जाता है। एक आदर्श हैं उन सभी महिलाओं के और आगे भी रहेंगी। दिनांकों

हमारी परपरा, संस्कृति और चित्तन में नारी संदेह ही सम्मानीय रही है। भारत में नारी का स्थान प्राचीन काल से ही अत्यंत सम्मानीय रहा है। हमारी संस्कृति में नारी को शक्ति, ज्ञान और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। वेदों और पुराणों में नारी को माँ, देवी, सहधर्मिणी और समाज की आधारशिला के रूप में प्रस्तुत किया गया है। भारतीय संस्कृति में नारी को देवी स्वरूप माना गया है—सरस्वती ज्ञान की, लक्ष्मी समृद्धि की और दुर्गा शक्ति की प्रतीक हैं। रामायण और महाभारत में सीता, द्वौपदी जैसी नारियाँ न केवल अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान रहीं, बल्कि उन्होंने समाज को नई दिशा भी दी। हालाँकि, मध्यकाल में कुछ सामाजिक कुरीतियों ने नारी की स्थिति को प्रभावित किया, लेकिन आधुनिक भारत में नारी फिर से अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के प्रति जागरूक हो रही है। आज वे शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, खेल और व्यवसाय के हर क्षेत्र में अग्रणी हैं। नारी सशक्तिकरण के साथ समाज का विकास जुड़ा है। जब नारी सशक्त होगी, तभी राष्ट्र भी सशक्त होगा। रही है और आगे भी समाज का दिशा देती रहेगी।

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता-

यह प्राचीन संस्कृत सूक्ति केवल शब्द नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक और दार्शनिक परंपराओं में महिलाओं के प्रति गहरी श्रद्धा का प्रतीक है। इस सूक्ति के अनुसार, जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवता निवास करते हैं। हमारे दैनिक जीवन में महिलाओं की एक विशेष भूमिका रही है। महिलाएं समाज में एक अभिन्न भूमिका निभाती हैं। वे परिवारों की रीढ़ हैं और समुदायों के विकास और वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। महिलाओं, बहन, बेटियों को जीतने अधिक अवसर एवं, सुविधाएँ मिलेगी, वह समाज को कई गुना लौटाकर देंगी। किसी संस्कृति को अगर समझना है तो सबसे आसान तरीका है कि उस संस्कृति में नारी के हालात को समझने की कोशिश की जाए। किसी भी देश के विकास संबंधी सूचकांक को निर्धारित करने हेतु उद्योग, व्यापार, खाद्यान्न उपलब्धता, शिक्षा इत्यादि के स्तर के साथ ही इस देश की महिलाओं की

हे। नारों को सुदृढ़ एवं सम्मानजनक स्थिति एक उत्तम, समुद्ध तथा मजबूत समाज की द्योतक है। भारतीय महिलाएं ऊर्जा से लबरेज, दूरदर्शिता, जीवन्त उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ सभी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है। भारत के प्रथम नोबेल पुस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के शब्दों में, «हमारे लिए महिलाएं न केवल घर की रोशनी हैं, बल्कि इस रौशनी की लौ भी हैं।» अनादि काल से ही महिलाएं मानवता की प्रेरणा का स्रोत रही हैं। ज्ञांसी की रानी लक्ष्मीबाई से लेकर भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले तक, महिलाओं ने बड़े पैमाने पर समाज में बदलाव के बड़े उदाहरण स्थापित किए हैं। हालाँकि सावित्रीबाई फुले युद्धभूमि की वीरांगना नहीं थीं, लेकिन उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाकर समाज को जागरूक किया। उन्होंने महिलाओं और दलितों की शिक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। भारत में जब भी महिलाओं के सशक्तिकरण की बात होती है तो महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की चर्चा ज़रूर होती है। रानी लक्ष्मीबाई न सिर्फ़ एक महान नाम है बल्कि वह

में बच्चे और बुजुगों को दखभाल करने में मुख्य योगदान महिलाओं का सर्वाधिक होता है। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि जाती समाज की अर्थव्यवस्था और राजनीतिक व्यवस्था बदलती है, तभी महिलाएँ परिवार को नवास्तविकताओं और चुनौतियों के अनुकूल बनाने में अप्रणी भूमिका निभाती हैं। जब महिलाएं सशर्त होती हैं और अपने अधिकारों और भूमि, नेतृत्व, अवसरों और विकल्पों का तक पहुंच का दावा कर सकती हैं, तब अर्थव्यवस्था बदलती है, खाड़ी सुरक्षा बढ़ती है और वर्तमान और भवित्व की पीढ़ियों के लिए संभावनाएं बेहतरी होती हैं। भारत के संबंध में कई बाल वर्ल्ड बैंक ग्रुप आदि ने कहा है कि अगर यहाँ पर महिलाओं की आर्थिक भागीदारी में वृद्धि की जाए तो भारतीय की विकास दर में तीव्र वृद्धि हो सकती है। गौरतलब है कि 1994 से 2012 के मध्य कई लाख भारतीय गरीबी रेखा से बाहर निकल चुके हैं। इन आँकड़ों में और बढ़ोतारी होती है। अगर कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी में और इजाफा होता है, 2012 में सिर्फ 27वें वयस्त

कार्यरत था। चिता को बात यह है कि भारत के तीव्र शहरीकरण ने कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी में कोई वृद्धि नहीं की है। आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार, 2022 के वैश्विक औसत 47.8त के मुकाबले भारत में महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर 37त है। हालांकि यह वर्ष 2017-18 में 23.3त से बढ़ा है, लेकिन इसका 37.5त हिस्सा घेरेलु उद्यमों में अवैतनिक सहायता के रूप में नियोजित है। इन महिलाओं को उनके द्वारा किए जाने वाले कामों के लिए कई भुगतान नहीं किया जाता है। भारत ने व्यापक नीतियों, लक्षित योजनाओं और कानूनी ढांचों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण में उल्लेखनीय प्रगति की है। आर्थिक भागीदारी से लेकर सुरक्षा, डिजिटल समावेशन से लेकर शिक्षा तक, सरकार की पहलों ने महिलाओं के जीवन में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक समावेशी, लैंगिक-समान समाज के निर्माण की प्रतिबद्धता की पुष्टि करना बहुत जरूरी है जहां महिलाएं राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में मुख्य भूमिका निभाती हैं।

राशिफल



	आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आपका सोचा हुआ काम, आज पूरा हो जाएगा। बिजनेस साझेदार के साथ मिलकर किए गए कामों से आपको लाभ मिलेगा। साथ ही खुले मन से काम करने पर अच्छे लोग आपसे जुड़ने की कोशिश करेंगे। इस राशि के प्रौपर्ती डीलर के लिये आज का दिन बेहतर रहेगा।
	आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। मेहनत का परिणाम आपके फेवर में होगा, आपके मन मुताबिक परिणाम मिलेगा। आज खुद पर ध्यान देंगे। आज आपके विरोधी आपके सामने नतमस्तक होंगे, दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे। किसी काम में अपनों की मदद मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा।
	आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपके परिवार में नई-नई खुशियां आएंगी। संतान की सफलता आपको प्रसन्न करेगी, आपके घर लोग बधाई देने आयेंगे। घर पर पार्टी का आयोजन करेंगे। नए काम करने की सोच से आपको धन लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। लोग आपकी योजना पर काम करने के लिए आपसे सलाह लेंगे, आप लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उत्तर देंगे।
	आज का दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आयेगा। आज आप किसी बात को लेकर नेतृत्व करेंगे, जिसमें अन्य लोगों का सहयोग मिलेगा। साथ ही किसी जरूरी विषय पर बातचीत भी होगी, अपनी बात कहने का मौका मिलेगा, आपके विचारों को महत्व मिलेगा। आज आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा जो आगे चलकर काम आएगा।
	आज आपके दिन की शुरुआत आपके अनुकूल होने वाली है। आज आप वर्किंग प्लेस पर खूब मेहनत करेंगे। अपनी उपलब्धियों पर गवर्नर महसूस होगा। प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए आज का दिन अच्छा है। आज आपको कई जिम्मेदारियां मिलेंगी, जिन्हें आप अच्छी तरह से निभायेंगे।
	आज आपका दिन बहुत बढ़िया रहने वाला है। आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है, जिससे आप कॉम्फिंडेंस फील करेंगे। किसी जरूरी काम पर आज विचार करने का पूरा मौका मिलेगा। समय का पूरा सद्पुयोग करें। आज आप रचनात्मक कार्य कर सकते हैं।
	आज आपका दिन बहुत बढ़िया रहने वाला है। आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है, जिससे आप कॉम्फिंडेंस फील करेंगे। किसी जरूरी काम पर आज विचार करने का पूरा मौका मिलेगा। समय का पूरा सद्पुयोग करें। आज आप रचनात्मक कार्य कर सकते हैं।



वृश्चियों से भरा रहने वाला है। आज किसी धार्मिक स्थल पर जाएँगे, जहां आपकी की मदद भी करेंगे। हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश करना आपको सफलता मिलेगी। आज किसी से मदद मांगने में संकोच न करें, सब है। आप किसी योजना की शुरुआत कर सकते हैं।

न की शुरुआत अच्छी होने वाली है। आज अधिकारी वर्ग का सहयोग पाने में ब्राह्मण डाटे काम बनेंगे। बच्चों के प्रति आपका प्रेम। आपको उनका प्रिय बना देगा। आप गलतियों से कुछ सीखेंगे। अगर आप बिजनेस स्टार्ट कर रहे हैं, तो शुभ मुहूर्त मिला-जुला रहेगा। किसी दोस्त से मिलने उसके घर जाएँगे, पुरानी यादें तजाकिया करने से बचने की कोशिश करें। बच्चों के साथ थोड़ा टाइम स्पेंड कर सकते हैं। आज बच्चों को पढ़ाई के नए तरीके सिखायेंगे, छात्रों की पढ़ाई में रुचि बढ़ायें। साथ चल रही अनबन सुलझाने के लिए दिन अच्छा हैं।

ने दिन की शुरुआत शांत मन से करेंगे। पुराने लेन-देन के मामलों में आज सोचने पर अपने खास रिशेदार के घर जाएँगे जहां खुशी का माहौल बना रहेगा। आपको लाभ होने की संभावना है। किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के लिए कॉल आज कहीं घूमने का प्लान बनाएँगे, साथ में लंच करेंगे।

न की शुरुआत अच्छे मूड के साथ होने वाली है। आज पैसों के मामले में उत्तिष्ठते लेंगे, आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। आज आप उन चीजों को ज्यादा चाहेंगे जिनके लिए ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। साथ ही आपको अपने काम, परिवार, और दोस्तों बना कर रखना चाहिए।

दिन नई उमरों के साथ शुरू होने वाला है। इस राशि के जो लोग बेकरी के हैं, उन्हें आज उम्रीद से ज्यादा लाभ होगा, जिससे आर्थिक स्थिति बेहतर बनी रहेंगी।

जय नारी हो

आओ परिचय तुहें कर दूँ क्या नारी की शान।
जन्म दिए हैं राम लखन और कृष्ण की पहचान।।
गाकर गीत मनोहर अनुपम सदा करें अनुष्ठान।।
जय नारी हो जय नारी हो करती हूँ गुणगान।।
अनसूया माता के दर पर त्रिदेव ने बोला।।
निवस्त्र होकर भोज कराओ ऐसा मुखड़ा खोल।।
तीनों को बनाकर बालक करा दिया दुर्घापान।।
जय नारी हो जय नारी हो करती हूँ गुणगान।।
झाँसी की रानी को यहाँ पर कौन नहीं पहचान।।
अग्रेजों की छाती पर चढ़ ले- ली जिससे जान।।
शत शत नमन करें हम उनको नारी की वे आन।।
जय नारी हो जय नारी हो करती हूँ गुणगान।।
हम नारी ने सूर्य को सूरज चाँद को चंदा बोला।।



रेखा शर्मा स्त्री
लीचीपुरम
मुजफ्फरपुर, बिहार

समाधान दिवस में फरियादियों का टोटा, खाली रही कुर्सियाँ

लोकमित्र ब्लॉग

पट्टी प्रतापगढ़। फरियादियों की समस्याओं के तुरंत निष्ठापन के लिए लगाए जाने वाला समाधान दिवस अब औपचारिकताओं तक सिमटता दिख रहा है। शनिवार को पट्टी थाने में आयोजित समाधान दिवस में यह धृधंती तस्वीर उड़ागर हुई। इक्का डुका फरियादी तो पहुंचे लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो सका। इससे खाली कुर्सियाँ दिवस का उपहास ढार्तांत दिखती हैं।

शासन द्वारा फरमान जारी किया गया है कि फरियादियों की समस्याओं के लिए सभी थानों में माह के दूसरे और चौथे शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन किया जाए। इसके बावजूद यह समाधान दिवस सिर्फ औपचारिकताओं के लिए लगाए जा रहे हैं। अधिकारियों और कर्मचारी इसमें रुचि रखने वाले फरियादियों के नामे से निस्तारण करते हैं, जिससे फरियादियों की कुछ समस्याओं के निस्तारण में दिक्कतें आ रही हैं। शनिवार को पट्टी थाने में आयोजित समाधान दिवस में एक नया नाया नाया

देखने को मिला, जहां अधिकारियों का दरबार सजाया गया। अधिकारियों के साथ कुछ राजस्व कर्मी तो मौजूद रहे लेकिन फरियादी नहीं आए। ऐसे में समाधान दिवस की सिफ़ू औपचारिकताओं की निवार्ग गई शनिवार को सर्किल के थानों में आयोजित समाधान दिवस के दौरान फरियादियों का टोटा रहा।

थानों में फरियादियों व राजस्व अधिकारियों के बैठने के लिए सुबह दस बजे कुर्सियाँ तो सजा दी गईं, लेकिन फरियादियों के न आने से कुर्सियाँ खाली ही रह गईं। पट्टी में पांच व आसपास देवसरा में 12 फरियादियों ने जाय की गुराम लगाया। इसमें से मात्र 2 की ही मौके पर निस्तारण हो सका पट्टी को तो लगाए गए। एस्डीएम तनबीर अहमद व सीओ मनोज कुमार सिंह रघुवंशी की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

दो बजे तक कुल पांच फरियादियों ने शिकायती प्रार्थना प्रस्तुत किया। इसमें एक का ही मौके पर निस्तारण हो सका। थेट्र के समयमध्ये के ग्राम प्रधान परशुराम

देकर समानित किया।

इस अवसर पर विनोद सिंह ने कहा कि शिक्षित व सशक्त समाज के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी सबसे अत्यंत है। समाज में महिलाओं के योगदान को कभी भी नन्हा अंदाज नहीं किया जा सकता है। अज महिलाएं देश-विदेश में अपना परचम लहरा रही हैं। वी एस एस एकेडमी शिक्षा के क्षेत्र में लगातार

दूसरे दिन तहसील में प्रसाद रहा सन्नाटा

पट्टी प्रतापगढ़। अधिकारियों के बीच हुए विवाद के बाद हुए गोली कांड के चलते तहसील में दूसरे दिन सन्नाटा प्रसाद रहा। शुक्रवार को पट्टी तहसील में जनसुनवाई के दौरान दो अधिकारियों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि गाली गौली होने के साथ ही गोली भी चल गई। सूचना पर जिते के अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह के साथ भारी पुलिस बल व फैरीसेक टीम ने घटना स्थल पर पहुंच कर साश्य संकलन किया। वहीं दो राशम पीड़ित अधिकारी की तहसील पर नामजद आयोजित समाधान दिवस के दौरान फरियादियों का टोटा रहा।

थानों में फरियादियों व राजस्व अधिकारियों के बैठने के लिए सुबह दस बजे कुर्सियाँ तो सजा दी गईं, लेकिन फरियादियों के न आने से कुर्सियाँ खाली ही रह गईं। पट्टी में पांच व आसपास देवसरा में 12 फरियादियों ने जाय की गुराम लगाया। इसमें से मात्र 2 की ही मौके पर निस्तारण हो सका तो लगाए गए। एस्डीएम तनबीर अहमद व सीओ मनोज कुमार सिंह रघुवंशी की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

दो बजे तक कुल पांच फरियादियों ने शिकायती प्रार्थना प्रस्तुत किया। इसमें एक का ही मौके पर निस्तारण हो सका। थेट्र के समयमध्ये के ग्राम प्रधान परशुराम

अतिक्रमण रोकवाने गये

लेखपाल की पिटाई, केस दर्ज लालगंज प्रतापगढ़। सरकारी जीवन पर अतिक्रमण रोकने गये क्षेत्रीय लेखपाल के साथ गालीगौलीज व मरपीट तथा सरकारी अधिकारी शक्तिप्रस्त करने के आरोप के लेकर पुलिस ने दो नामजद व कई अज्ञात के लिए गौली मुकदमा दर्ज किया है। तहसील में तैयार शिकायत मिले राजस्व ग्राम भेंगारा के क्षेत्रीय लेखपाल हैं।

पीड़ित लेखपाल ने दो गई हुए तहसील में शुक्रवार को विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि गाली गौली होने के साथ ही गोली भी चल गई।

सूचना पर जिते के अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह के साथ भारी पुलिस बल व फैरीसेक टीम ने घटना स्थल पर पहुंच कर साश्य संकलन किया।

वहीं दो राशम पीड़ित अधिकारी की तहसील पर नामजद व कई अज्ञात के लिए गौली मुकदमा दर्ज किया है।

तहसील में तैयार शिकायत मिले राजस्व ग्राम भेंगारा के क्षेत्रीय लेखपाल हैं।

पीड़ित लेखपाल ने दो गई हुए तहसील में शुक्रवार को विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद हो गया।

पीड़ित लेखपाल का आरोप है कि वहीं नवीन परती के खाते की जीवन पर गांव के मजरा सुदूरीना का पुरावा निवासी शिक्षकुमार व शिक्षप्रताप यादव पर लापता शिक्षक विवाद छाया गया।

पीड़ित लेखपाल के शिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों के छोड़ तहसील में निर्वित किया गया।

किसी पश्चात के शिकायतों का जल्द

जिलाधिकारी एवं एसपी

ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली देहात में सुनी फरियादियों की समस्याएं

लोकमित्र ब्लॉग। जिलाधिकारी एवं एसपी न

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर क्षेत्र की अग्रणी महिलाओं को किया गया सम्मानित

लोकमित्र ब्लूगे

शंकरसग (प्रयागराज)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर न्यू चिल्डेन पब्लिक स्कूल, सिंगे टोला, शंकरसग में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉक्टर रीता सिंह ने सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत स्थापत्य गीत ने सभी का मन मोह लिया। विद्यालय की छात्राओं ने महिला सशक्तिकरण, महिला जागरूकता, महिलाओं की भागीदारी, आत्मनिर्भरता आदि विषयों पर प्रेरणादायक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें खूब सराहा गया।

मुख्य अतिथि डॉक्टर रीता सिंह ने

बड़े हनुमान मंदिर के भव्य कॉरिडोर के फेज-2 का निर्माण कार्य होली के बाद होगा शुरू

● बड़े हनुमान मंदिर के फेज-2 में बनेगा मंदिर का गर्भगृह, रिखर और मण्डप। ● संगम क्षेत्र में स्थित है बड़े हनुमान जी का प्रसिद्ध मंदिर।



प्रयागराज, (हि.स.)। प्रयागराज में सनातन आस्था के महापर्व के आयोजन के चलते पूरे शहर के सौंदर्यकरण, मंदिरों के जीर्णोंद्वारा और गंगा नदी पर घाटों का निर्माण किया गया। इसी क्रम में सीएम योगी के मार्गदर्शन में संगम क्षेत्र में स्थित बड़े हनुमान मंदिर के भव्य कॉरिडोर का भी निर्माण किया जा रहा है। जिसके पहले पूरा हो चुका है लेकिन महाकृष्ण के सामान भौलेनाथ का निर्माण किया जाएगा। जिसके तिरंगे विशेष रूप से राजस्थान से कारोगर प्रयागराज तक बुलाए जाएंगे। प्रयागराज के संगम क्षेत्र में विश्व अधियात्मिक नवनीत शर्मा ने बताया कि बड़े हनुमान मंदिर, प्रयागराज के प्रसिद्ध मंदिरों में एक है। महाकृष्ण के दैरान मंदिर में करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन किया। मंदिर के पुजारी सूरज पाण्डेय ने बताया कि महाकृष्ण के दैरान प्रत्येक दिन मंदिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के दर्शन का संगम क्षेत्र में विश्व अधियात्मिक नवनीत शर्मा को देखा। जिसके तिरंगे विशेष रूप से राजस्थान के कारोगर प्रयागराज तक बुलाए जाएंगे। यह जनकारी शनिवार को प्रयागराज विकास प्राधिकरण के मुख्य अधियात्मिक नवनीत शर्मा ने बताया कि बड़े हनुमान मंदिर के कारोगर की विशालता और महाकृष्ण के सामान भौलेनाथ का निर्माण 2 फेज में करने का निर्णय लिया गया था।

जिसके तहत महाकृष्ण के पहले फेज-1 में बड़े हनुमान मंदिर के दोनों ओर विशाल प्राणं का भव्य कॉरिडोर का भी निर्माण करा रहा था। प्रयागराज विकास प्राधिकरण ये कार्य के मुख्य अधिकारी शर्मा ने बताया कि बड़े हनुमान मंदिरों के भव्य कॉरिडोर के निर्माण का कार्य किया गया था। इसी क्रम में सीएम योगी के मार्गदर्शन में प्रयागराज विकास प्राधिकरण बड़े हनुमान मंदिर के भव्य कॉरिडोर का भी निर्माण करा रहा था। प्रयागराज विकास प्राधिकरण ये कार्य अपने दो से तीन महीने में पूरा करने का निर्णय लिया गया था। इसी क्रम में बड़े हनुमान मंदिर के दोनों ओर विशाल द्वारों और ऊंची प्राणं के संग्रहालयों से घेरे विशाल प्राणं का निर्माण किया गया था।

</div

कौशाम्बी/सीतापुर/प्रयागराज/रायबरेली

दिन-दिहाड़े राष्ट्रीय राजमार्ग पर पत्रकार को गोली मारकर हत्या, हमलावर फरार



लोकमित्र ब्लूग
सीतापुर। लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक पत्रकार की गोली से फरार हो गए। गोलियों की आवाज सुनकर मारकर हत्या कर दी गई। घटना को आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। आनंद देने के बाद बदलास मैके से फरार हो गए। पत्रकार को धायल समझकृत जिला अस्पताल लाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने पत्रकार को मृत घोषित कर दिया। शनिवार दोहरा पत्रकार राष्ट्रीय बाजार-बाइक से सीतापुर गए थे। जहाँ से वापस महोनी अपने घर जा रहे थे। हेम्पुर और बिज्जिंज के पास बाइक सवार हमलावरों ने उनकी बाइक को टक्कर मारी। राष्ट्रीय के क्षेत्र में हुई। पत्रकार थाना महोनी के गोली के गोले बांडी का एक्सरे



करता के रहने वाले थे।
परिजन ने कहा- 10 दिन पहले मिली थी धमकी

परिजन जयप्रकाश शुक्ला ने बताया राष्ट्रीय के पास शनिवार दोहरा किसी व्यक्ति का फोन आया था। बात करने के बाद घर से राष्ट्रीय बाइक से निकल गए थे। कुछ देर बाद राष्ट्रीय के गोली मारे जाने की सूचना पहुंची। अपनी तक हत्या का पीछे का कारण सप्त नहीं हो सकता है। पुलिस हमलावरों की पहचान और निपटावी के लिए कार्रवाई कर रही है। बारदात इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र में हुई। पत्रकार की डेढ़ बांडी का एक्सरे

इप्तार का हुआ आयोजन

करछना(प्रयागराज)। आज रमजान के 6 रोजा पर रोजा इप्तार का 17 मस्जिद में करवाया गया। बता दे की पचवेवा गोलीयां, डीला चूपेरू चैनी पक्कड़ा रामपुर हल्दी कला हल्दी खुर्द में मस्जिद करेहा में दो मस्जिद रोजा में इप्तार करवाया गया सभी मस्जिद में पेश इमाम वह हाफिज मौजूद रहे और सभी गांव के मुस्लिम समाज के लोग एकत्र होकर रोजा इप्तार किया और देश की अमन चैन के लिए दुआ मांगा। शुक्रवार की रात से सभी मस्जिदों में कपी भूंड़ एकत्र थी और सभी ने रोजा खोलने के बाद नमाज अदा की। रोजा इप्तार रमजान के पवित्र पाक महीने में रोजगार के साथ रोजा खोलने से सभी को सबला भरता है। यह महिलाओं का समान समाज का कार्यक्रम छवरियां खोलनी के लिए दुआ मांगा। जिसमें जिले स्थल के प्रबंधक एमा सिद्धीकी ने किया सिद्धीकी ने कहा कि कई वर्षों से यह अयोजन किया जा रहा है। रोजा इप्तार रमजान के पवित्र पाक महीने में रोजगार के साथ रोजा खोलने से जो रोजामा रहता है वह महिला हो जाती है। महिला ग्राम प्रधान हो जाती है। वह सभी थोकों में एकत्र होकर बौद्धिमता और अध्यक्ष अनुपमा गुरा, कांग्रेस जिला अध्यक्ष उत्कृष्ण अवस्थी भी जिला अस्पताल पहुंचे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन



लोकमित्र ब्लूग

जनता पार्टी का नेतृत्व संकलित है सहसों। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मारुतीकों को सम्मान करने के लिए महिला सम्मेलन करने के लिए वाली 10 महिलाओं को सम्मान समारोह का कार्यक्रम छवरियां खोलनी के लिए दुआ मांगा। अनिरुद्ध रूपम, शकुन्या योजना लालू का बंधन योजना लखपति दीदी ब्रिटिशों के लिए निश्चल शिक्षा सार्वाधिक विवाह योजना और आज के दिन प्रधानमंत्री जी ने दिल्ली की महिलाओं को सम्मान करने के लिए भारतीय घोषणा किया है योगी और मोदी की

सरकार में ही महिलाएं सुरक्षित और समृद्ध हो रही हैं यह सरकार महिला के विकास के लिए समर्पित और संकलित हैं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिले की अध्यक्ष श्रीमती कविता पटेल ने किया इस कार्यक्रम में सुख्ख रूप से फारमज़ के विधायक अनिरुद्ध रूप से योजना के लिए दुआ मांगा। जिसमें जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को महिला ग्राम प्रधान हो जाती है। यह सभी थोकों में एकत्र होकर बौद्धिमता और अध्यक्ष अनुपमा गुरा, कांग्रेस जिला अध्यक्ष उत्कृष्ण अवस्थी भी जिला अस्पताल पहुंचे।

महनूदाबाद में 108 सुहागिन महिलाओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा

लोकमित्र ब्लूग

सीतापुर। नगर पालिका परिषद महनूदाबाद के मोलाना नहीं बजार स्थित श्री निवास मिश्र, सुमारा मिश्र द्वारा शिव परिवार की श्री सकटा देवी मंदिर से 108 सुहागिन महिलाओं द्वारा विशाल कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा श्री सकटा देवी मंदिर से तहसील रेड, बजाजा चौराहा, रामकुड़ चौराहा होते हुए नई बजार पहुंचे। इस कलश यात्रा में सुहागिन महिलाएं सिर पर कलश रखे बड़ी संख्या में पीताम्बर वस्त्र धारण किए महिलाओं की भव्य एवं विशाल कलश यात्रा निकलना शुरू हुई तो आस्था व धर्म के संपर्क में लोग मूरुगु गये। डीजे की भक्तिमय धजन व जय भोलेनाथ, जय श्री राम, जय हनुमान के गणनयेदी नारों से



बतावरण गुंजायाम हो गया। इस कलश यात्रा में नई बजार उत्तरी निवासी श्री निवास मिश्र व उनकी पत्नी सुधमा मिश्र द्वारा भगवान शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा करवाई दी गई है। यह जरूरी है कि, हम महिलाओं को केवल उनके अधिकार ही नहीं बल्कि समान अवसर भी प्रदान करें।

लोकमित्र ब्लूग
सराय अकिल/वारा, (कौशाम्बी)। सराय अकिल क्षेत्र फैजुल्लाहुर गांव में शराब के नशे में दो सगे भाइयों के बीच बल्कु को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। कुल्हाड़ी और लाटियां चलने से गोपी की मौत हो गई, जबकि उसका भाई संतोष गंभीर रूप से घायल है।

बता दे बायर अकिल के कनौली चौकी क्षेत्र में सोमवार देर रात संतोष और गोपी घर के बाहर बैठे थे, तभी किसी बात पर बल्कु को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। शाराब के नशे में धूत दोनों लोग मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर व्यापारियों ने तहसीलदार और बीड़ीओ को किया सम्मानित

लोकमित्र ब्लूग
महाराजांग रायबरेली। कोतवाली परिसर महाराजांग में व्यापारी नेताओं ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर तहसीलदार मंजूला मिश्र और बीड़ीओ वधु सिंह को प्रतीक चिह्न भेटकर स्वागत किया। इस मौके पर कोतवाल जगदीश यादव भी मौजूद रहे। आपको बता दे कि, व्यापारी नेता रिकू जास्तावाल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कहा कि, महिलाओं के अवसर पर व्यापारियों से समाज का विकास होता है। यह जरूरी है कि, हम महिलाओं को केवल उनके अधिकार ही नहीं बल्कि समान अवसर भी प्रदान करें।

महिलाओं का सामाजिक, अर्थिक और व्यक्तिगत समर्पण की समीक्षा की गई।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर तहसीलदार मंजूला मिश्र और बीड़ीओ वधु सिंह संतोष गंभीर रूप से घायल हैं। आपको बता दे कि, व्यापारी नेता रिकू जास्तावाल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कहा कि, महिलाओं के अवसर करने के लिए एकत्र होकर बौद्धिमता और अधिकार वहाँ लाना चाहिए। यह जरूरी है कि, हम महिलाओं को केवल उनके अधिकार के अवसर करने के लिए एकत्र होकर बौद्धिमता और अधिकार वहाँ लाना चाहिए।

महिलाओं को सामाजिक, अर्थिक और व्यक्तिगत समर्पण की समीक्षा की गई।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर तहसीलदार मंजूला मिश्र और बीड़ीओ वधु सिंह संतोष गंभीर रूप से घायल हैं। आपको बता दे कि, व्यापारी नेता रिकू जास्तावाल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कहा कि, महिलाओं के अवसर करने के लिए एकत्र होकर बौद्धिमता और अधिकार वहाँ लाना चाहिए। यह जरूरी है कि, हम महिलाओं को केवल उनके अधिकार के अवसर करने के लिए एकत्र होकर बौद्धिमता और अधिकार वहाँ लाना चाहिए।

महिलाओं को सामाजिक, अर्थिक और व्यक्तिगत समर्पण की समीक्षा की गई।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर तहसीलदार मंजूला मिश्र और बीड़ीओ वधु सिंह संतोष गंभीर रूप से घायल हैं। आपको बता दे कि, व्यापारी नेता रिकू जास्तावाल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कहा कि, महिलाओं के अवसर करने के लिए एकत्र होकर बौद्धिमता और अधिकार वहाँ लाना चाहिए। यह जरूरी है कि, हम महिलाओं को केवल उनके अधिकार के अवसर करने के लिए एकत्र होकर बौद्धिमता और अधिकार वहाँ लाना चाहिए।

महिलाओं को सामाजिक, अर्थिक और व्यक्तिगत समर्पण की समीक्षा की गई।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर तहसीलदार मंजूला मिश्र और बीड़ीओ वधु सिंह संतोष गंभीर रूप से घायल हैं। आपको बता दे कि, व्यापारी नेता रिकू जास्तावाल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कहा कि, महिलाओं के अवसर करने के लिए एकत्र होकर बौद्धिमता और अधिकार वहाँ लाना चाहिए। यह जरूरी है कि, हम महिलाओं को केवल उनके अधिकार के अवसर करने के लिए एकत्र होकर बौद्धिमता और अधिकार वहाँ लाना चाहिए।

महिलाओं को सामाजिक, अर्थिक और व्यक्तिगत समर्पण की समीक्षा की गई।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर तहसीलदार मंजूला मिश्र और बीड़ीओ वधु सिंह संतोष गंभीर रूप से घायल हैं। आपको बता दे कि, व्यापारी नेता रिकू जास्तावाल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कहा कि, महिलाओं क

